

## रसैट-2

हाल ही में **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** के **RISAT-2 उपग्रह (रडार इमेजिंग सैटेलाइट)** द्वारा जकार्ता के पास **हृदि महासागर** में अनुमानित प्रभाव बट्टि पर पृथ्वी के वायुमंडल में अनर्धितरति पुनः प्रवेश किया गया।

- RISAT-2 भारत का पहला "आई इन द स्काई" उपग्रह है जिसके माध्यम से घुसपैठ और आतंकवाद वरिधी अभियानों के हसिसे के रूप में देश की सीमाओं की नगिरानी होती है।



## RISAT-2:

- **परचिय:**
  - रसैट-2 का मुख्य सेंसर (जसि 'जासूसी' उपग्रह माना जाता है) इज़रायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़ का एक X -बैंड **सथेटिक-एपर्चर रडार** था।
  - रसैट-1 उपग्रह के लयि स्वदेश में वकिसति हो रहे सी-बैंड में देरी होने के कारण वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद रसैट-2 को अधिक तेज़ी से वकिसति किया गया था। भारत के पहले समर्पति इस टोही उपग्रह में दनि-रात कार्य करने के साथ-साथ सभी मौसमों में नगिरानी करने की क्षमता है।
  - इसका उपयोग **समुद्र में सैन्य खतरा माने जाने वाले जहाज़ों को ट्रैक करने के लयि भी किया जाता था।**
- **प्रक्षेपण:**
  - लगभग 300 किलोग्राम वज़न वाले **रसैट-2 को 20 अप्रैल, 2009** को PSLV-C12 प्रक्षेपण यान द्वारा प्रक्षेपति किया गया था।
- **महत्त्व:**
  - **रसैट-2 ने 13 वर्षों से अधिक समय तक लाभकारी पेलोड डेटा प्रदान किया।**
    - इसके प्रवेश के बाद से वभिन्न अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लयि **रसैट-2 की रडार पेलोड सेवाएँ प्रदान की गईं।**
  - रसैट-2 अंतरिक्षयान कक्षीय संचालन को कुशल और इष्टतम तरीके से पूरा करने के लयि **इसरो की क्षमता का एक स्पष्ट उदाहरण है।**
    - जैसा किरसैट-2 ने 13.5 वर्षों के भीतर फरि से प्रवेश किया, इसने **अंतरिक्ष मलबे** के लयि सभी आवश्यक अंतर्राष्ट्रीय शमन दशा-नरिदेशों का पालन किया, जो **बाहरी अंतरिक्ष की दीर्घकालिक स्थिरता के प्रत अंतरिक्ष एजेंसी की प्रतबिद्धता को दर्शाता है।**

## इसरो की आगामी परियोजनाएँ:

- **गगनयान:** भारतीय मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम ।
- **आदित्य-L1:** सूर्य के वातावरण का अध्ययन करने के लिये ।
- **नासा-इसरो सथिटिक एपरचर रडार मशिन:** विभिन्न खतरों और वैश्विक पर्यावरण परिवर्तन का अध्ययन करने के लिये ।
- **शुक्रयान-1:** शुक्र ग्रह के लिये ऑर्बिटर ।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. भारत के उपग्रह प्रक्षेपण यान के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. PSLVs पृथ्वी संसाधनों की नगिरानी के लयि उपयोगी उपग्रहों को लॉन्च करते हैं, जबकि GSLVs को मुख्य रूप से संचार उपग्रहों को लॉन्च करने के लयि डज़िाइन कयि गयि है ।
2. PSLVs द्वारा प्रक्षेपति उपग्रह पृथ्वी पर कसिी वशेष स्थान से देखने पर आकाश में उसी स्थिति में स्थायी रूप से स्थरि प्रतीत होते हैं ।
3. GSLV Mk-III एक चार चरणों वाला प्रक्षेपण यान है जसिमें पहले और तीसरे चरण में ठोस रॉकेट मोटर्स का उपयोग तथा दूसरे व चौथे चरण में तरल रॉकेट इंजन का उपयोग कयि जता है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) केवल 3

उत्तर: (a)

स्रोत: द हद्रि

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/risat-2>